DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR

BY:DR. ANANTESHWAR KUMAR YADAV
(ASSIST. PROFESSOR, GPTT)

B.A. Part-III Public Administration Paper-V

LALIT NARAYAN MITHILA UNIVERSITY, DARBHANGA-846004(BIHAR)

Lecture-06

Ref. No................ Date 07/09/2020

लोक प्रशासन कला के रूप में अथवा विज्ञान के रूप में ⇒

लोक प्रशासन विज्ञान है। अथवा कला? इसे स्पष्ट करने के पूर्व विज्ञान व कला के अर्थ को स्पष्ट करना आवश्यक है। सामान्यत: विज्ञान से ऐसे विषय का बोध होता है। जिसमें स्पष्टता व निश्चितता हो जो पूर्णत: तथ्य पर आधारित हो और तथ्यों की सत्यता का परीक्षण किया जा सके जिसके कार्य और परिणाम समय परिस्थिति एवं मानव व्यवहार जैसे मूल्यों से अप्रभावित है। जिसका सम्बन्ध भौतिक पदार्थों से हो अभौतिक अध्यात्मिक बातों से नहीं तथा जिसमें शत प्रतिशत भविष्यवाणी की जा सके। दूसरी ओर कला का अर्थ एक कार्य को करने का ढंग या प्रक्रिया स्पष्टत: कला प्रक्रिया एवं मूल्य से सम्बद्ध है।

लोक प्रशासन विज्ञान नहीं है। ऐसा कहने वालों में मोरिस कोहेन, फाइनर, उर्विक, L.D. White प्रमुख है। L.D. White ने तो कहा है कि "लोक प्रशासन असल मे विज्ञान है या नहीं यह बात भविष्य में निर्णय लेने के लिये छोड़ देना चाहिये आज इसे कला के रूप में स्वीकार करना चाहिये।" विचारक आर्ड वेट विड ने भी कहा है कि "प्रशासन संक्षेप मे एक उत्तम कला है।" लोक प्रशासन विज्ञान नहीं है। के पक्ष में निम्नलिखित तर्क दिये जा सकते है।

Scanned with CamScanner

(1) विज्ञान तथ्यों पर आधारित होता है। तथा उसमें निश्चितता देखने को मिलती है। जबकि लोक प्रशासन में इसका अभाव दृष्टिगोचर होता है। इसलिये लोक प्रशासन विज्ञान नहीं है। प्राकृतिक विज्ञानों के सिद्धान्त हर परिस्थिति में समान होते हैं। जैसी बातें लोक प्रशासन में देखने को नहीं मिलती है। इसलिये लोक प्रशासन विज्ञान नहीं है।

(2) विज्ञान के अन्तर्गत विश्लेषण एवं परिक्षण की पद्धति का अनुप्रयोग होता है। जबकि लोक प्रशासन के अन्तर्गत विज्ञान की इस पद्धति का उस रूप में प्रयोग नहीं होता है। जिसका में विज्ञान के अन्तर्गत होता है। विज्ञान का प्रयोग प्रयोगशाला मे हो सकता है। जबकि लोक प्रशासन का प्रयोग प्रयोगशाला में करके सार्थक निष्कर्ष नहीं प्राप्त किया जा सकता है।

(3) विज्ञान के अन्तर्गत मूल्यों का महत्व बिल्कुल नहीं होता है तभी तो विज्ञान को मूल्यविहीन या मूल्यशून्य कहा जाता है। जबकि लोक प्रशासन में मूल्यों का ही महत्व होता है। लोकप्रशासन तथ्यों पर आधारित होने के बाद भी मूल्य एवं आदर्शवादिता से अपने आपको अलग नहीं कर सकता है।

अन्त में विज्ञान की एक विशेषता होती है कि उसमें भविष्यवाणी की जा सकती है। जो सत्य प्रतिशत सही होती है। लोक प्रशासन के अन्तर्गत भविष्यवाणी की जाती है। लेकिन इसका परिणाम आशानुरूप होगा। या नहीं इस बात की कोई गारन्टी नहीं है। जबकि विज्ञान के अन्तर्गत तो गारन्टी के साथ भविष्यवाणी की जाती है। स्वरूप: इस आधार पर भी लोक प्रशासन विज्ञान के रूप में परिभाषित न स्थापित नहीं होता है।

Scanned with CamScanner